PARIVARTAN
परिवर्तन

मार्च 2026 अंक 12, खंड 9

परिवर्तन पत्रिका

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : +91 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

समाजिक मुद्दों की समझ को विस्तार देता है रंगमंच

परिवर्तन सामुदायिक रंगमंच द्वारा वर्ष भर में कई अलग अलग विषयों का चयन करके उसपर नाटक एवं नुक्कड़ तैयार कर उसे लोगों के बीच ले जाकर प्रस्तुत किया जाता है एवं उसके जरिये जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। इसी दौरान वर्ष भर में किये गए कार्यों एवं नाटकों पर किये गए नए प्रयोगों को समेटते हुए सामुदायिक रंगमंच, प्रत्येक वर्ष मार्च महीने में नाट्य उत्सव का आयोजन परिवर्तन परिसर में करता है। इस वर्ष 27 एवं 28 मार्च 2026 को दो दिवसीय नाट्य उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें 12 गाँवों के 1500 दर्शकों ने भाग लिया। 27 मार्च 2026 को संध्या 7:30 बजे से नाटक दगा हो गए बालम की प्रस्तुति हुयी। इस नाटक में भोजपुरी गीतों में आ रहा फूहड़पन और अश्लीलता पर व्यंग किया गया एवं कोरोना के दौरान प्रवासी मजदूरों की त्रासदी का वर्णन किया गया। नाटक – दगा हो गए बालम को स्वयं सामुदायिक रंगमंच ने लिखा है। नाट्य उत्सव के दूसरे दिन विभारानी का लिखा नाटक- प्रेग्नेंट फादर की प्रस्तुति की गयी। यह नाटक सीधे सीधे हमारे पुरुष प्रधान समाज के ढांचे और मूल्यों पर सवाल खड़ा करता है और वह भी एक दिलचस्प काल्पनिक स्थिति के जरिये। सभी स्थितियों और पात्रो को स्वांग (फार्स) के मिलाकर यह नाट्य उत्सव रोचक और सफल रहा। इस दौरान दर्शकों को एकदम नया नाटक मिला साथ ही कई नयी जानकारियां भी मिलीं।

तरीके से पेश करके इस नाटक ने समाज के विभिन्न घटकों, जैसे परिवार, मेडिकल प्रोफेशन, मिडिया सब की आक्रामकता और ढ़ोंग को बेहद मजेदार ढंग से पेश किया। कुल

महिलाओं के लगातार बढ़ते कदम एवं उपलब्धियां ही महिलाओं के लिए प्रेरणा है

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यूँ तो प्रतिवर्ष 08 मार्च को मनाया जाता है, लेकिन एक महिला केन्द्रित कार्यक्रम के रूप में हम इसके लिए महिला दिवस के आगे - पीछे कई कार्यक्रम रखते हैं ताकि हमारी महिलाएं इस उत्सव को कई दिन तक मना सकें। हमारी यह कोशिश रहती है कि महिलाएं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम में भाग लेते हुए अपने विचारों और भावों को अलग रूपों में व्यक्त कर सकें जिससे उनकी एक स्वतंत्र पहचान स्थापित हो सके। इस बार जागृति महिला समाख्या और हरियाली कुल मिलाकर 250 से अधिक महिलाओं की उपस्थिति रही। जहाँ महिलाओं के द्वारा अनेक गीत, भाषण और नाटक प्रस्तुत किये गए। रंगमंडली टीम ने इस कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देकर महिलाओं का काफी उत्साहवर्धन किया महिलाओं को परंपरागत बीज के संरक्षण को लेकर कृषि वैज्ञानिक स्मिता राजन के द्वारा महिलाओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी वहीँ साहित्यकार वंदना राग, प्रोफेसर अपूर्वानंद और रंजन सिंह ने महिलाओं को अपने शुभकामना

कृषि ज्ञान केंद्र के संयुक्त प्रयास से महिला दिवस को मनाने के लिए 03 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हमने एक ओर जहाँ 07 मार्च और 15 मार्च 2026 को दो पंचायतों; मियां के भटकन और भरौली में पंचायत महिला समागम सह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया वहीँ 08 मार्च को हमने महिला किसानों के लिए परिवर्तन में ही अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया। पंचायत महिला समागम के दोनों कार्यक्रमों में जिससे उनके अन्दर महिला संगठन की सामूहिक शक्ति और उर्जा का संचार हो सकें एवं अपने, समुदाय और पंचायत के मुद्दों को लेकर साथी महिलाओं का ध्यान आकर्षित कर सकें। इसके लिए उन्होंने इस अवसर का भरपूर उपयोग किया। 08 मार्च को परिवर्तन के हरियाली कृषि ज्ञान केंद्र के हॉल में जो कार्यक्रम हुआ वह कई मामलों में एक अद्वितीय कार्यक्रम कहा जा सकता है। क्योंकि इस कार्यक्रम में एक ओर जहाँ कृषि और बागवानी गतिविधियों से जुड़ी सन्देश प्रेषित करते हुए परिवार और समुदाय के विकास में महिलाओं के त्याग, परिश्रम और समर्पण की भूरी - भूरी प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में आयी महिला किसानों का आनंद तब और बढ़ गया जब उन्होंने परिवर्तन के महिला बैंड की प्रस्तुती को देखा और सुना। इस कार्यक्रम में महिलाओं को मशरूम के उत्पादन से होने वाले लाभ के विषय में एक वृत्त चित्र भी दिखाया गया ताकि वे मशरूम का उत्पादन करके आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो सकें।

किताबों से बच्चों के जुड़ाव का नया प्रयास सार्थक और सुरुचिपूर्ण रहा

जब हम कहानी को नाटक के माध्यम से देखते हैं तो हमारी कल्पना का विस्तार और ज्यादा होता है। कहानी को नाटक में दृश्य के माध्यम से देखने पर हम उस कहानी को और भी तार्किक तरीके से समझने का प्रयास भी करते हैं इसलिए नाटक विधा का प्रयोग करके हम किताबों से बच्चों एवं शिक्षकों को जोड़ने का प्रयास परिवर्तन पुस्तकालय में भी कर रहे हैं। इसी प्रयास के अंतर्गत मार्च माह में पुस्तकालय द्वारा दो प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों एवं शिक्षकों को एक स्थान पर एकजुट करके दिनांक 11 मार्च 2026 को पुस्तकालय आधारित नुक्कड़ प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन स्थल प्राथमिक विद्यालय खेम भटकन रहा जिसमे कार्यक्रम के दौरान 80 बच्चों एवं 9 शिक्षकों की सहभागिता रही जिसमें बच्चों को रंगमंडली द्वारा किताबों पर आधारित गीत एवं पहेलियां सुनायी गईं और नाट्य प्रदर्शन किया गया जिसे बच्चों ने देखा एवं समझने की कोशिश की। इस कार्यशाला में परिवर्तन पुस्तकालय से 30 किताबों का डिस्प्ले भी किया गया। नाट्य प्रदर्शन देखने के बाद कुछ बच्चों ने अपनी पसंद की किताबों को देखा , पढ़ा एवं इच्छुक बच्चों ने दो किताबों के ऊपर नाट्य प्रस्तुति भी की। इस दौरान विद्यालय के अन्य बच्चे एवं शिक्षक, दर्शक के रूप में उपस्थित रहे। इस नाट्य प्रस्तुति की तैयारी रंगमंडली द्वारा करवाई गयी। इस नाट्य प्रस्तुति से बच्चों के अन्दर आत्मविश्वास बढ़ा, साथ ही उनके अन्दर अभिनय कला को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। विद्यालय शिक्षकों ने इस कार्यक्रम की सराहना की एवं उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे छोटे किताब आधारित कार्यक्रम 15 अगस्त एवं 26 जनवरी पर हम भी आयोजित कर सकते हैं।

आधुनिक खेती के लिए मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और फसल विविधिकरण जरुरी है

आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाली कृषि ज्ञान केंद्र द्वारा विभिन्न गाँवों में किसान प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कुल चार गाँवों में किया गया जिसमें सरसों, गेहूं, चना एवं अरहर जैसी प्रमुख फसलों पर ध्यान दिया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक किसानों ने भाग लेकर नई तकनीकों एवं उन्नत कृषि विधियों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर कृषि क्षेत्र के कई विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। इसमें इफ्फको पटना के प्रबंधक एवं के.वी.के सिवान के फिशरिज विज्ञान तथा इफ्फको के क्षेत्रीय अधिकारी प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके साथ ही परिवर्तन कृषि टीम एवं एफपीओ के प्रमुख सदस्य भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभागी बने। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गाँवों में गोष्ठियों का आयोजन किया गया जिसमें किसानों के साथ जल संचयन एवं मछली उत्पादन, नैनो उर्वरकों के लाभ, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा फसल विविधिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी। विशेषज्ञों ने किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया और उनके प्रश्नों का समाधान भी किया। इसके अतिरिक्त किसानों को प्रक्षेत्र का सजीव भ्रमण

करवाया गया जहाँ उन्हें उन्नत बुआई पद्धतियों एवं विभिन्न फसल प्रजातियों का अन्य खेतों के साथ तुलनात्मक अवलोकन कराया गया। इस दौरान किसानों ने नई तकनीकों को समझा और अपने अनुभव भी साझा किये। कार्यक्रम के सफल आयोजन से किसानों में आधुनिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ी है जिससे भविष्य में उत्पादन एवं आय में वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है।

भविष्य के समाजोपयोगी कार्यों के वाहक हैं ये नन्हे बाल सांसद

विभिन्न कार्यों को लिखित रूप में समेकित किया एवं उसे विद्यालय के सभी बच्चों एवं शिक्षकों के समक्ष प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुति के दौरान विद्यालय परिवार के तरफ से इन बच्चों का उत्साहवर्धन भी किया गया। विद्यालय स्तर की प्रस्तुतियों के बाद इन बच्चों की अंतर विद्यालय प्रस्तुति दिनांक 28 मार्च 2026 को परिवर्तन परिसर में हुई। इस प्रस्तुति के दौरान अलग-अलग 7 विद्यालयों के शिक्षक एवं 68 बच्चे शामिल रहे। कार्य प्रस्तुति के बाद बाल संसद के सदस्यों के साथ सवाल जबाब का

परिवर्तन कार्यक्षेत्र में सभी मध्य विद्यालयों के बाल सांसदों द्वारा किये गए विभिन्न कार्यों को अन्य विद्यालयों एवं बच्चों को बताने के साथ उनमे अपने द्वारा किये गए कार्यों का प्रस्तुति कौशल व् नेतृत्त्व कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष बाल संसद वार्षिक कार्यप्रस्तुति कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष पहली बार विद्यालय स्तर पर इनकी तैयारी करवाई गयी, इस तैयारी के दौरान बाल संसद के सदस्यों ने अपने विद्यालय एवं बच्चों के लिए किये गए भी सत्र चला। वर्तमान सत्र में अपने पद पर रहते हुए अपनी जिम्मेवारियों के निर्वहन एवं बालसंसद की सक्रियता को देखते हुए कुल तीन विद्यालयों को सम्मानित भी किया गया। प्रथम स्थान, मध्य विद्यालय बंथू श्रीराम, द्वितीय स्थान मध्य विद्यालय नरेन्द्रपुर एवं तृतीय स्थान मध्य विद्यालय गोंठी को प्राप्त हुआ। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी बालसांसदों को और विजेता विद्यालय के सभी सदस्यों को परिवर्तन की तरफ से विभिन्न तरह के उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया।

बचपन से ही बढ़ी रूचि, उस विधा में सफलता के तरफ ले जाती है

सामुदायिक खेल इकाई उमंग द्वारा खेलो को बढ़ावा देने हेतु निरंतर प्रयास जारी है जिसके तहत समय समय पर खेल प्रतिगिता का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में कबड्डी जैसे खेल को बढ़ावा देने हेतु कई छोटे बड़े प्रयास किये जा रहे हैं। दिनांक 28-29 मार्च 2026 को खेल विकास के लिए (S4D) कार्यक्रम से जुड़े सत्र की लड़कियों का कबड्डी टूर्नामेंट हुआ। इस टूर्नामेंट में कुल 04 टीमों ने भाग लिया। इन चार टीमों के बीच आपसी मुकाबला करवाया गया। चारों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया जिसमें फाइनल मैच बलिया एवं नरेन्द्रपुर के बीच खेला गया। नरेन्द्रपुर टीम विजेता हुयी और बलिया टीम उपविजेता। दोनों टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। S4D सत्र के बच्चों एवं बच्चियों का मैच का आयोजन हर वर्ष किया जाता है। इसी मैच से प्रेरित होकर कुछ खिलाड़ी कबड्डी से जुड़ते हैं और आगे बढ़ते हैं।

आगे आने वाले प्रमुख कार्यक्रम

रंगमंडली क्षमता विकास कार्यशाला (26 अप्रैल – 31 मई 2026): रंगमंडली सदस्यों द्वारा आपस में मिलकर इस क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा जिसमे सोलो प्रस्तुति के कौशल को सभी सीखेंगे। इसका आयोजन परिवर्तन परिसर में नियमित होगा।

कबड्डी विडियो प्रदर्शन (26 अप्रैल 2026): देश दुनिया के कबड्डी कौशल को दिखाने एवं सिखाने के उद्देश्य से इस विडियो प्रदर्शन का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जाता है जिसमे बेहतर स्किल वाली कबड्डी टीम के मैच को

शिक्षक प्रशिक्षण (5-6 मई 2026): परिवर्तन से जुड़े अलग अलग विद्यालयों के शिक्षकों की कौशल वृद्धि के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा। इसमें संभव है कि बाहर से प्रशिक्षक भाग लेंगे।

किताबवा कार्यशाला (8 मई 2026): परिवर्तन पुस्तकालय से जुड़े शिक्षकों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा। इस कार्यशाला में किताबों से बच्चों को जोड़ने हेतु अलग -अलग गतिविधियों पर चर्चा होगी और उसे करके दिखाया जायेगा।

दिखाया जायेगा।

चहकने की ललक कार्यशाला (29 अप्रैल 2026): चहकने की ललक पत्रिका के अगले अंक में चित्रकारी एवं लेख को शामिल करने हेतु बच्चों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन परिवर्तन समुदाय में किया जायेगा जिसका समय 8:00-1:00 बजे होगा

पंचायत स्तरीय बालक कबड्डी प्रतियोगिता (30 अप्रैल – 3 मई 2026): परिवर्तन कार्यक्षेत्र के आठो पंचायतों में कबड्डी से जुड़े बच्चों के साथ इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा जिसका अंतिम फाइनल मुकाबला परिवर्तन परिसर में आयोजित होगा।

सामुदायिक प्रदर्शनी (30 अप्रैल 2026): प्रत्येक महीने में परिवर्तन टीम कार्यक्षेत्र के किसी एक गाँव में जाती है जहाँ सभी कार्यक्रमों की प्रदर्शनी लगायी जाती है। इसी उद्देश्य से इस माह भी तय तिथि पर किसी एक गाँव में प्रदर्शनी लगायी जाएगी।

फुटबॉल विडियो प्रदर्शन (10 मई 2026): फुटबॉल कौशल में बच्चों को और नयी जानकारी देने एवं बेहतर फुटबॉल कौशल को सिखाने के उद्देश्य से फुटबॉल विडियो प्रदर्शन सत्र का आयोजन किया जायेगा जिसमे फुटबॉल कौशल का विडियो दिखाकर उसपर चर्चा की जाएगी उसके उपरांत उसे प्रयोग मे भी लेकर देखा जायेगा।

फिल्म प्रदर्शन (10 मई 2026): परिवर्तन द्वारा प्रत्येक 15 दिन पर दिखाए जाने वाले फिल्म की अगली प्रस्तुति तय तिथि पर परिवर्तन परिसर में होनी है। इस प्रस्तुति के दौरान बच्चों की रूचि की फिल्म दिखाई जाएगी जिसमे आसपास के गाँवों एवं विद्यालयों से बच्चे आकर भाग ले सकते हैं।

एक दिवसीय विज्ञान कार्यशाला (12 मई 2026): विज्ञान की प्रायोगिक समझ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय विज्ञान कार्यशाला का आयोजन अलग अलग उच्च विद्यालयों में किया जायेगा। इस बार की यह एक दिवसीय कार्यशाला तय तिथि पर उच्च विद्यालय संजलपुर मे होगी।